

स्वच्छता को आदत में शुमार कर बीमारियों से रहें दूर : हिमांशु शर्मा

राहत संस्था की ओर से आयोजित एनटीडी कार्यक्रम में डीएम हुए शामिल

भास्कर न्यूज़ | किशनगंज

राहत संस्था द्वारा आयोजित एनटीडी जागरूकता कार्यक्रम समाहरणालय सभागार में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मौजूद डीएम हिमांशु शर्मा ने कहा कि जागरूकता से कई बीमारियां आदमी को छू तक नहीं सकती। उन्होंने कहा कि खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के कार्यक्रम की आवश्यकता है। जहां साक्षरता की कमी के साथ-साथ गरीबी भी अधिक है। जिला पदाधिकारी ने कहा कि कई बीमारियां ऐसी हैं जिसे लोग नजर अंदाज करते हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को आदत में शुमार करने से लोग आधे से अधिक बीमारियों



समाहरणालय सभागार में एनटीडी जागरूकता कार्यक्रम में डीएम व अन्य।

से बच सकते हैं। इस मौके पर डॉक्टर देवेन्द्र कुमार ने कहा कि 20 प्रकार की बीमारियां नेगलेक्टेड ट्रॉपिकल डिजीज के रूप में जाने जाते हैं। जिस पर लोग ध्यान नहीं देते। डेंगू, चिकुनगुनिया, चर्म रोग भी इन्हीं रोगों में शामिल हैं। थोड़ी सी सावधानी बरतकर इन सब रोगों से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा

कि खाने से पूर्व स्वयं एवं अपने परिवार के अन्य लोगों को भी हाथ अच्छी तरह धोने की आदत डालें। उन्होंने कई रोगों से बचाव के तरीके बतलाए। इस अवसर पर डीएम हिमांशु शर्मा, राहत संस्था के सचिव डॉक्टर फरजाना बेगम, नेहाल अख्तर, माला सिन्हा सहित कई लोग मौजूद थे।

किशनगंज आसपास

बीमारियों से बचाव के लिए दी गई जानकारी

सदर अस्पताल में बीमारी से बचाव की जानकारी देती दफ से फेलो डॉ. उर्मिला कुमारी व फरजाना बेगम। • आजादपत्र

संवाद सहयोगी, किशनगंज: वर्ल्ड नैग्लेक्टेड ट्रापिकल डिजीज को लेकर गुरुवार को सदर अस्पताल परिसर में कार्यशाला आयोजित किया गया। इस कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. उर्मिला कुमारी ने गंभीर बीमारियों से बचाव के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक होना जरूरी है। इसके लिए लोगों को स्वयं भी जागरूक होने की जरूरत है। इस समय लोगों को बीस प्रकार की बीमारी होने की प्रबल संभावना बनी रहती है। इनमें अलसर, चगास रोग, डेंगु, चिकनगुनिया, फीता कृमि

वर्ल्ड नैग्लेक्टेड ट्रापिकल डिजीज को लेकर कार्यशाला का आयोजन, स्वास्थ्य के प्रति किया गया जागरूक

रोग, कम्पैटोडीस, नौद की बीमारी, लिशमनियासिस, कुष्ठ रोग, लसीका, फाइलेरिया, माइकोटोमा, ऑन्कोकेशियसिस, रैबीज, खुजली, सिस्टोसोमियासिस, सर्पदंश के शिकार और कालाजार सहित कई अन्य बीमारी शामिल हैं। वहीं डॉ. फरजाना बेगम ने कहा कि एनटीडी डे 30 जनवरी से लेकर सात फरवरी तक मनाया जा रहा है।

जागरूकता से ही बचाव संभव: डीएम

किशनगंज | संवाददाता

ऐसी बिमारियों जिन्हें लोग नजर अंदाज कर देते हैं इसके लिए आम लोगों को जागरूक होना पड़ेगा। जागरूक होकर हर ईसान अपने को रोग मुक्त कर सकता है। रोगों से बचने के जो उपाय होते हैं उसकी जानकारी लोगों को होनी चाहिए।

बुधवार को वर्ल्ड एनटीडी दिवस पर राहत संस्था की ओर से समाहरणालय के सभागार में आयोजित कार्यशाला के दौरान यह बातें डीएम हिमांशु शर्मा ने कही। उन्होंने कहा कि 20 ऐसी बीमारियां अल्सर, डेंगू, चिकनगुनिया, फीता कृमि रोग, लसिका फाइलेरिया जैसे बीमारियां जिन्हें लोग नजर अंदाज कर देते हैं। जबकि शुरूआत में बेहतर उपचार से व जागरूक होकर ऐसी

वर्ल्ड एनटीडी दिवस

- राहत संस्था की ओर से आयोजित हुआ कार्यक्रम
- बीमारियों को नजरअंदाज नहीं करने की दी सलाह

बिमारियों से बचा जा सकता है। डीएम श्री शर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय के उपयोग से 70 प्रतिशत से ज्यादा बिमारियों से बचा जा सकता है। डीएम ने राहत संस्था के द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की।

कार्यशाला में चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. देवेन्द्र कुमार ने कहा कि खाना खाने से पहले साबुन से हाथ धोकर ही खाना खावें। डेंगू व चिकनगुनिया से बचने के लिए अपने आसपास में जल जमाव

नहीं होने दें। बेहतर तरीके से पका हुआ खाना ही खावें। प्रत्येक छह माह में कृमि की दवा हर एक व्यक्ति को लेना चाहिए। चिकित्सा पदाधिकारी श्री कुमार ने कहा कि केरोना वायरस की रोकथाम के लिए लोगों को अपने घर से निकलते समय मास्क का प्रयोग करना चाहिए।

वापस आने के बाद बिना हाथ धोए शरीर के किसी भी भाग को टच नहीं करे। राहत संस्था की सचिव डॉ. फरजाना बेगम ने कहा कि 20 ऐसी बिमारियां हैं जिन्हें लोग नजरअंदाज कर देते हैं। इन बिमारियों के रोकथाम के लिए व जागरूकता अभियान के तहत एनटीडी दिवस मनाया जाता है। एनटीडी दिवस मनाने का उद्देश्य आम लोगों को इन रोगों से बचने के लिए जागरूक करना है।

किशनगंज आसपास

एनटीडी को ले जागरूक करना सराहनीय कदम

संस. किशनगंज: वर्ल्ड बैंकलेक्टेड ट्रापिकल डिजीज (एनटीडी) को लेकर बुधवार को समाहरणालय में कार्यशाला आयोजित की गई। सदर अस्पताल व राहत संस्था हेल्थ स्ट्रैटेजीज द्वारा आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए डीएम हिमांशु शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में लोगों को जागरूक करने के लिए सबको सहयोग करना चाहिए। ताकि लोगों को उन्हें अपने द्वार पर ही भी गंभीर बीमारियों से बचाव की जानकारी मिल सके। इस दिशा में सरकारी स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। जिससे कि लोग स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो सकें। लेकिन राहत द्वारा इस दिशा में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का जो प्रयास शुरू किया गया है। सुबे में पहली बार एनटीडी डे मनाया जा रहा है। डॉ. फरजाना बेगम ने बताया कि एनटीडी डे 30 जनवरी से लेकर सात फरवरी तक मनाया जा रहा है। इस समय 20 ऐसी गंभीर बीमारियां हैं। जिनके चपेट में आकर लोग बीमार पड़ जाते हैं।

राहत संस्था द्वारा बीमारी की रोकथाम की जानकारी दी गयी

किशनगंज (निज संवाददाता)। बुधवार को किशनगंज जिला समाहरणालय के सभाकक्ष में राहत फाउंडेशन, जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की ओर से मीडिया के साथ एक दिवसीय विशेष बैठक की गयी। बैठक में १२ प्रकार के बीमारियों एवं उससे बचाव के लिए जागरूकता के तहत विशेष जानकारी दी गयी।

जिला पदाधिकारी हिमांशु शर्मा के मौजूदगी में डॉ. देवेन्द्र प्रसाद और

डॉ. फरजाना बेगम ने कई प्रकार के बैक्टेरिया, वायरस और खाने पीने से विभिन्न प्रकार की बीमारी के बारे में बताया गया। डॉक्टर देवेन्द्र ने कहा कि परजीवी बीमारी प्रेग्नैट लेडीज में एनीमिया बीमारी होती है जिसमें ६० प्रतिशत महिलाओं को पेट में कीड़ा ग्रसित होता है। इससे खून की कमी होती है, जिस कारण सभी लोगों को सब्जी फल आदि को नमक पानी से धोकर ही खाना और सेवन करना चाहिए। सुरक्षा

ही सही उपचार है। ऑलवेजेला की टेब्लेट हर लोगों को हर ६ महीने में खाना चाहिए जिससे वंश खत्म होता है और हाथ धोने की आदत हर लोगों को कंपलसरी साबुन से धोने की करनी चाहिए।

जिला पदाधिकारी हिमांशु शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि कोरोना वायरस से बचने के लिए चेहरे पर मास पहनना चाहिए। फेस को अपने नाक को अपने नाखून से नहीं हाथ बिना धोए नहीं खो जाना चाहिए।

स्वास्थ्य को लेकर समाज में जागरूकता लाना होगा- डीएम किशनगंज। वर्ल्ड एनटीडी सप्ताह के अवसर पर समाहरणालय किशनगंज में राहत संस्था किशनगंज की ओर से मीडिया वर्कशॉप सह जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीएम किशनगंज हिमंशु शर्मा ने कहा कि

स्वास्थ्य रहना क्राफ़ी आवश्यक है, स्वास्थ्य को लेकर समाज में जागरूकता लाना होगा और जागरूकता के लिए सबको प्रयास करना होगा। लोगों को अपने स्वास्थ्य



बैठक करते डीएम।

को लेकर खुद भी सजग होना होगा। कार्यक्रम में बोलते हुए राहत संस्था की निदेशिका फरजाना बेगम ने कहा कि कई तरह के रोग होते हैं जिसको लेकर समाज में जागरूकता नहीं है, हम लोग इस दिशा में एक मुहिम चला रहे हैं और समाज में इसके प्रति जागरूकता लाने का प्रयास कर रहे हैं। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से डॉ देवेन्द्र कुमार, राहत संस्था के निहाल अख्तर सहित बड़ी संख्या में राहत संस्था के लोग और मीडियाकर्मी उपस्थित थे।

एनटीडी डे पर बच्चों ने निकाली जागरूकता रैली

संवाद सहयोगी, किशनगंज : वर्ल्ड नेग्लेक्टेड ट्रापिकल डिजीज (एनटीडी) के अवसर पर गुरुवार को राहत संस्था, हेल्थ स्ट्रैटेजी और सदर अस्पताल द्वारा संयुक्त रूप से फरिगौड़ा स्थित मदरसा जामिया हुसैनिया से निकाली गई। सुबह में पहली बार एनटीडी डे मनाया जा रहा है। इस क्रम डॉ. फरजाना बेगम ने बताया कि एनटीडी डे 30 जनवरी से लेकर सात फरवरी तक मनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस समय 20 ऐसी गंभीर बीमारियां हैं। जिनके चपेट में आकर लोग बीमार पड़ जाते हैं। अगर इंसान इन सब बीमारियों के बारे में थोड़ा सा भी सजग हो जाए तो इन सब बीमारियों से बचा सजा सकता है। लेकिन इन बीमारियों से बचने के लिए जानकारी जरूरी है।

ताकि समय रहते इंसान अपने आपको सुरक्षित रख सकें। जिन गंभीर बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए मदरसा परिसर के पोषक क्षेत्र में रैली निकाली गई। इन बीमारियों में मुख्य रूप से अल्सर, चगास रोग, डेंगू, चिकनगुनिया, फीला क्रूमि रोग, कंमपैटोडीस, नींद की बीमारी, लिशमनियोसिस, कुष्ठ रोग, लसीका, फाइलेरिया, माइकोटोमा, ऑन्कोकेशियसिस, रेबीज, खुजली, सिस्टोसोमियासिस, सर्पदंश के शिकार और कालाजार सहित कई अन्य शामिल हैं। वहीं रैली से पूर्व मदरसा में आयोजित कार्यशाला में डॉ. देवेन्द्र



जागरूकता रैली में शामिल मदरसा के शिक्षक व विद्यार्थी। जागरण

सात फरवरी तक मनाया जाएगा एनटीडी दिवस, एनटीडी जैसी गंभीर बीमारियों से सजग रहने की है जरूरत

कुमार ने कहा कि कई बीमारियां ऐसी हैं। जिससे इंसान अपने आपको बचा सकता है। लेकिन इसके लिए इन बीमारियों के लक्षण के बारे में जानकारी जरूरी है। जिससे कि लक्षण के पता चलते ही सदर अस्पताल में पहुंच कर उचित इलाज करवा सके। इस दौरान मुख्य रूप से परियोजना निदेशक निहाल अख्तर, मदरसा के प्रधानाध्यापक मौलाना ग्यासुद्दीन, मौलाना इब्रार साहब, मौलाना रियाजुद्दीन, मौलाना दिलनवाज, मौलाना अंसार आलम, मौलाना अब्दुल रजाक, मौलाना आरिफ और मौलाना सलमान सहित मदरसा के विद्यार्थी मौजूद थे।

एनटीडी डे पर निकाली जागरूकता रैली

किशनगंज | संवाददाता

वर्ल्ड एनटीडी डे पर आल लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से गुरुवार को राहत संस्था के द्वारा एक जागरूकता रैली निकाली गई।

जागरूकता रैली ग्लोबल हेल्थ स्ट्रेटिजी के सहयोग से मदरसा जामिया हुसैनिया फरिगमोड़ा से निकाली गई। जिसमें मदरसा के शिक्षक व छात्र शामिल हुए। रैली में शामिल राहत संस्था के परियोजना निदेशक नेहाल अख्तर ने कहा कि उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए एक अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत रैली निकाली गई है।

उन्होंने कहा कि यह दिवस 30 जनवरी से 7 फरवरी तक मनाया जाता है। एनटीडी उच्चर योग्य अथवा ऐसी बीमारियों जिन्हें रोका जा सकता है उसका एक समूह बनाया गया है। रैली के बाद मदरसा परिसर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सदर



गुरुवार को फरिगमोड़ा मदरसा से निकाली गई जागरूकता रैली।

अस्पताल के चिकित्सक डॉ. देवेन्द्र कुमार ने अल्सर, चगास रोग, डेंगु, चिकनगुनिया, फीता कुमि रोग, कुह रोग, लसीका फाईलेरिया, माइक्रोटोमा आदि रोगों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया और इससे बचने के लिए आवश्यक जानकारियां दी।

वहीं रैली के बाद हस्ताक्षर के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया

गया। जिसमें 500 बच्चे शामिल थे। इस मौके पर राहत संस्था के यास्मिन परवीन, रूक्साद, मदरसा के प्रधानाध्यापक मौलाना ग्यासुद्दीन, मौलाना इब्रार, मौलाना आरिफ, मौलाना अब्दुल रज्जाक, मौलाना रियानुद्दीन, मौलाना सलमान, मौलाना दिलनवाज, मौलाना अंसार आलम सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मी मौजूद थे।

• हिन्दुस्तान